मुंबई मेट्रो के लिए कंपनियों को मिले ठेके

बीएस संवाददाता/एजेंसियां
मुंबई, 5 जुलाई

मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एमएमआरसीएल) ने लार्सन ऐंड टूब्रो (एलऐंडटी) और हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी) को मेट्रो की कोलाबा-बांद्रा-एसईईपीजेड लाइन के निर्माण के ठेके दिए हैं, साथ ही तीसरी लाइन के लिए जे कुमार इंफ्रा को भी ठेका मिला है। मेट्रो की यह लाइन 33.5 किलोमीटर लंबी है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी एचसीसी और रूस की कंपनी एमएमएस के संयुक्त उपक्रम को मुंबई मेट्रो की ओर से 2,523 करोड़ रुपये का ठेका हासिल हुआ है। साथ ही एमएमआरसीएल ने मुंबई मेट्रो की लाइन-3 के पैकेज 1 और 7 पर काम एलऐंडटी कंस्ट्रक्शन और चीन की उसकी सहयोगी कंपनी एसटीईसी को सौंपा है, जिस पर 5,273 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कॉरपोरेशन ने जे कुमार इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम को 5,012 करोड़ रुपये का एक ठेका दिया है।

एससीसी के साथ हुए अनुबंध के तहत भूमिगत मेट्रो लाइन में 4,072 मीटर कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा और साथ ही चार भूमिगत मेट्रो स्टेशनों - छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, कालबादेवी, गिरगांव और ग्रांट रोड का निर्माण और 3,115 मीटर की दो सुरंग भी बनाना है। परियोजना को 55 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह परियोजना मुंबई मेट्रो की लाइन-3 का हिस्सा है, जिसे कोलाबा से एसईईपीजेड तक बनाया जा रहा है। इस 33.5 किलोमीटर लंबी लाइन में 26 भूमिगत स्टेशन होंगे और यह मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो लाइन होगी।

एलऐंडटी के इस कार्य में परियोजना की डिजाइन और भूमिगत स्टेशनों का निर्माण और मुंबई मेट्रो की लाइन-3 के पैकेज 1 और पैकेज 7 के लिए इससे संबंधित सुरंग बनाया जाना शामिल है। ईपीसी परियोजना में कफे परेड, विधान भवन, चर्च गेट, हुतात्मा चौक पर भूमिगत स्टेशन बनाया जाना शामिल है। इसके साथ ही कफे परेड से जुड़ी सुरंग भी बननी है। पैकेज 7 में मारोल नाका, एमआईडीसी और एसईईपीजेड भूमिगत स्टेशन शामिल हैं, जिसमें अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एसईईपीजेड को जोड़ने वाली सुरंग का निर्माण भी शामिल है।

एचसीसी के अध्यक्ष और मुख्य कार्याधिकारी- ईऐंडसी अरुण करमबलेकर ने कहा, 'एचसीसी भूमिगत निर्माण में अग्रणी है और इसने कोलकाता मेट्रो, दिल्ली मेट्रो और मुंबई मेट्रो-1 के कुछ हिस्से का भी निर्माण किया है। विभिन्न मेट्रो परियोजना पर काम करने से प्राप्त अनुभव से कंपनी को भरोसा है कि वह पूरी दक्षता और तेजी से परियोजना को पूरा करने में सक्षम होगी और इससे लाखों मुंबईकरों को फायदा होगा।'

एलऐंडटी के डिप्टी मैनेजिंग डाइरेक्टर और अध्यक्ष एसएन सुब्रमण्यन ने कहा कि भारी सिविल इन्फ्रास्ट्रक्टर में यह एक महत्त्वपूर्ण जीत है और इससे मेट्रो परियोजनाओं पर हमारे काम को स्वीकृति मिली है। कंपनी ने भारत व खाड़ी देशों में पहले भी मेट्रो परियोजनाओं पर काम किया है।

इसी बीच दिल्ली से मिली खबर के मुताबिक मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने अपनी तीसरी लाइन के निर्माण के लिए जे. कुमार इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम को 5,012 करोड़ रुपये का एक ठेका दिया है। कंपनी ने बंबई शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि जे कुमार इंफ्रा के सीआरटीजी के साथ संयुक्त उपक्रम को यह ठेका मिला है। इसके तहत वह धारावी, बीकेसी, विद्यानगरी और सांताक्रूज में भूमिगत स्टेशन और इससे जुड़ी सुरंगों का निर्माण करेगी। इसके अलावा छत्रपति शिवाजी घरेलू हवाईअड्डा, सहर रोड और अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के खंडों का निर्माण, डिजायन एवं इससे जुड़ी हुई सुरंगों का भी निर्माण करेगी।